

प्रेषक,

डा० एस०एस० संघु,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 20 सितम्बर, 2012

विषय:-जनपद देहरादून के मसूरी झील-भट्टा फाल ट्रैक मार्ग के सुधार कार्य हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-433/2-6-749/2011-12, दिनांक 01 फरवरी 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के मसूरी झील-भट्टा फाल ट्रैक मार्ग के सुधार कार्य हेतु ₹ 84.47 लाख के आगणन पर टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत धनराशि ₹ 61.69 लाख एवं उक्त योजना में कॉस्ट आयरन फ्रेम वर्क हेतु अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत ₹ 16.50 लाख अर्थात् कुल ₹ 78.19 लाख की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्राविधानित धनराशि ₹ 10.00 लाख (दस लाख मात्र) को व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- (2) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय। उक्त योजना हेतु आगणन में प्राविधानित कॉस्ट आयरन फ्रेम वर्क हेतु अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत ₹ 16.50 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति दी गयी है। अतएव जिन मदों हेतु अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत धनराशि स्वीकृत है, के सापेक्ष उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार कार्यवाही करते हुए आगामी किश्त की मांग करते समय उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उतनी ही धनराशि का प्रस्ताव (अभिलेखों सहित) किया जाय, जितनी कि अधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत अपनाई गई प्रक्रिया के उपरान्त आवश्यक हो।
- (3) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कल्पित न किया जाय।
- (5) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2013 तक अवश्य कर लिया जाय।
- (7) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- (8) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- (9) एक योजना हेतु स्वीकृत धनराशि का व्यय दूसरी योजना पर कदापि न किया जाय।
- (10) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
- (11) कार्यदायी संस्था के निधारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संबर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-53-ट्रेकिंग मार्गों का सुधार/विकास- 24-वृहद् निर्माण कार्य के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-107/XXVII(2)/2012, दिनांक 18 सितम्बर, 2012 प्राप्त उनकी सहभांति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी- S.1.20.9.26.01.05 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(डा० एस०एस० संधु)
सचिव।

संख्या:- 131(I)/VI(1)/2012-02(01)/2012, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 5- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2.
- 9- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।